वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 31 | सोमवार 26 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कुलदीप राकां एवं पंकज ओझा ने लिया दिगम्बर जैन मुनि जयकीर्ति महाराज से आशीर्वाद

जैन रामायण कथा का सोमवार को होगा भव्य समापन, दस दिवसीय जैन रामायण कथा में उमड़े श्रद्धालु

रविवार को हुई महाआरती एवं भक्ति संध्या में झूमे श्रद्धालु, 27 मई को होगा भव्य समापन, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी होंगे मुख्य अतिथि एवं उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चन्द बैरवा होंगे विशिष्ट अतिथि

जयपुर. कासं

मनुष्य को नश्वरता के लिए जीवन व्यर्थ नहीं करना चाहिए। श्रद्धा और विश्वास के साथ की गई भक्ति एवं प्रत्येक कार्य का फल मीठा होता है। मनुष्य को अपने जीवन में हमेशा सकारात्मक सोच के साथ कार्य करना चाहिए। ये उदगार गुलाबी नगरी जयपुर की पावन धरा पर पहली बार दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में राजस्थान जैन युवा महासभा, जैन कनेक्ट, दुर्गापुरा जैन मंदिर ट्रस्ट एवं महिला मंडल दुर्गापुरा के संयुक्त तत्वावधान में चल रही दस दिवसीय जैन रामायण कथा के आठवें दिन रविवार को मुनि जयकीर्ति महाराज ने व्यक्त किये। उन्होंने कथा के दौरान राम सीता लक्ष्मण का अयोध्या में प्रवेश, मथुरा में महामारी, सीता का वनवास आदि प्रसंगो का चिरपरिचित शैली में चित्रण किया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया एवं जिला महामंत्री सुभाष बज ने बताया कि प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' पर आधारित जैन रामायण कथा के संगीतमय आयोजन भगवान चन्द्र प्रभू के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन राजस्थान जैन सभा की कार्यकारिणी सदस्या राखी जैन, ऋषि जैन पलक जैन एवं विनोद जैन कोटखावदा,जय कुमार जैन, राजा बाबू गोधा, जिनेन्द्र जैन जीतू, डॉ मोहन लाल मणि, प्रकाश चांदवाड, राजेन्द्र काला, अनुज जैन, अतीव जैन आदि ने किया। ब्रह्मचारिणी पल्लवी दीदी एवं मुनि भक्त जिनेन्द्र जैन जीतू द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। मुनि जयकीर्ति महाराज के पाद पक्षालन नेमी चन्द - मंजू, अंकुर - निधि लुहाड़िया परिवार, राजा श्रेणिक परिवार तथा वरिष्ठ आई ए एस अधिकारी कुलदीप राकां, अतिरिक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं ड्रग नियंत्रण आर ए एस अधिकारी पंकज ओझा, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप लुहाड़िया एवं मुनि भक्त भाग चन्द कोठ्यारी ने किया। कथा के मुख्य श्रोता राजा श्रेणिक के रुप में ज्ञान चन्द - स्नेह लता, सन्नी - डिम्पल, मोहांशी, सुखांशु दाखियां परिवार टोंक वालों का गाजों बाजों के साथ सभागार में जयकारों के बीच आगमन हुआ। राजा श्रेणिक परिवार परिवार द्वारा मुनि श्री को जिनवाणी भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राजा श्रेणिक ज्ञान चन्द - स्नेह लता दाखियां परिवार द्वारा किये गये प्रश्न का मुनि श्री द्वारा समाधान के रुप में रविषेणाचार्य द्वारा रचित प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' में उल्लेखानुसार जैन रामायण कथा का वाचन प्रारम्भ किया। गुरुदेव के मुखारविंद से चल रही भव्य राम कथा में आठवे दिन में बहुत सुंदर प्रसंग आते हैं राम लक्ष्मण सीता का लंका में 6 साल निकलते हैं विभीषण राम को लंका का राजा बनाना चाहते हैं लेकिन राम मना कर देते हैं फिर राम लक्ष्मण और सीता का अयोध्या में प्रवेश होता है माता और भाई से

आत्मीय मिलन होता है बहुत ही सुखदक्षण आते हैं प्रजाजन और सभी मिलकर के बहुत स्वागत करते हैं और फिर भरत को वैराग्य हो जाता है कहते हैं ''संसार में कोई भी परिजन शरण नहीं है धर्म ही शरण है सिद्धात्म ही परम शरण है'' उसी समय भरत को देखकर के त्रिलोकमंडल हाथी का क्रोध शांत हो जाता है और उस हाथी को जाती स्मरण हो जाता है कहां हम दोनों दोस्त थे और वह राजा और मैं हाथी बना और हाथी भी अणुव्रत को ग्रहण करता है..... भरत 1000 राजाओं और 300 स्त्रियोंके सात केकेई भी दीक्षा ले लेती है और भरत को मोक्ष हो जाता है और राम का राज्याभिषेक होता है....मथुरा में चमरेंद्र के द्वारा महामारी होती है.... सप्त ऋषि के द्वारा महामारी का नाश होता है सप्त ऋषियों का महिमा मंडन होता है.... सीता के द्वारा किमिंचिक दान दिया जाता है फिर प्रजा के द्वारा सीता का अवर्णवाद होता है राम के लिए पुनः असहनीयक्षण आते हैं और पुनः सीता का वनवास हो जाता है...।.. संसार की कैसी विचित्रता है पूर्व उपार्जित कर्मों को भोगना ही पड़ता है इसीलिए संसार की नश्वरता के लिए यह जिन धर्म को कभी भी नहीं छोड़ना चाहिए. जिनधर्म ही मुक्ति का मार्ग है.....राम - सीता आदि का आगमन, उत्सव, जिनेन्द्र देव के दर्शन, पूजा विधान आदि के प्रसंग के बाद सीता के वनवास के प्रसंग को गद्य एवं पद्य के रुप में विस्तार से समझाया। यह जैन राम कथा जीवन में जीवंतता को लाती है। गुरुदेव ने सभी चरित्रों को इतना शानदार ढंग से उकेरा है कि उसके लिए शब्द नहीं हैं। मंच संचालन राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने किया। आभार मुख्य संयोजक अनुज जैन ने व्यक्त किया। इस मौके पर आई ए एस कुलदीप राकां, आर ए एस पंकज ओझा, संदीप लुहाड़िया, राखी जैन, सुरेश कासलीवाल,कमल वैद अतुल बिलाला, जिनेन्द्र जैन जीतू, अनिल पाटनी, सर्वेश जैन रुपाहेडीकला सहित सभी अतिथियों ने श्रीफल भेट कर मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन समिति के चेतन जैन निमोडिया, नरेश बाकलीवाल,सुनील संघी, भारतभूषण जैन, मनीष सोगानी,राज कुमार सेठी, कमलेश जैन, राहुल गोधा, संदीप जैन, नेमी निगोतिया दीपिका गोधा, दीपिका जैन आदि ने अतिथियों का स्वागत किया दुर्गापुरा जैन समाज की ओर से मुनि जयकीर्ति महाराज को दुर्गापुरा जैन मंदिर में वर्ष 2025 के चातुर्मास के लिए श्रीफल भेट किया। त्रिवेणी नगर जैन समाज की ओर से भी अल्प प्रवास के लिए श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दुर्गापुरा जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि सायंकाल 7.00 बजे राजा श्रेणिक परिवार एवं उपस्थित सैकडो श्रद्धालुओं द्वारा जिनेन्द्र देव की आरती के बाद मुनि श्री की भव्य आरती की गई। गुरु भक्ति के आयोजन के बाद प्रसिद्ध गायक सुभाष बज द्वारा पदमप्रभू चालीसा का पाठ, आध्यात्मिक एवं संदेशात्मक भजनों की प्रस्तुति दी गई। महिला मण्डल दुर्गापुरा की अध्यक्ष रेणू लुहाड़िया एवं मंत्री रानी सोगानी के मुताबिक रात्रि 8.00 बजे जैन धार्मिक हाऊजी का भव्य ज्ञानवर्धक आयोजन किया गया ।

जोबनेर जैन मंदिर में द्वितीय वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर का अत्यंत प्राचीन मंदिर जोबनेर, खेजड़ों का रास्ता,चांदपोल बाजार स्थित में आज द्वितीय वार्षिकोत्सव के रूप में मूलनायक श्री शांतिनाथ स्वामी के जन्म,तप और मोक्ष कल्याण महोत्सव बड़े ही उत्साह पूर्वक पूजन विधान से संपन्न हुआ ' समारोह की पूर्व संध्या पर मंदिर प्रांगण में 48 काव्यों के साथ भक्तामर के पाठ का आयोजन किया गया। प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष संजय रावका ने बताया कि आज के वार्षिकोत्सव में सर्वप्रथम भगवान के अभिषेक और शांतिधारा सम्पन्न कराई गई। तत्पश्चात शुभारंभ ध्वजारोहण सतीश कुमार राहुल कुमार छाबड़ा ने संपन्न कर कार्यक्रम को गति प्रदान की और उसके बाद दीप प्रज्वलन श प्रकाश चंद राजकुमार काला परिवार ने किया। महामंत्री राजेश काला के अनुसार समारोह में सकल जैन समाज के साथ उन सभी धर्मानुरागियों को भी आमंत्रित किया गया जो पूर्व में मंदिर क्षेत्र में रहते थे और अब जयपुर की अन्यत्र कॉलोनियों में निवास कर रहे है ।सभी ने पहुंच कर कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।श्री शांतिनाथ विधान पूजन में मंदिर प्रांगण भक्तजनों से इतना भर गया कि पूजा स्थल के बाहर भी भक्तगण खड़े रहे। खचाखच भरे पूजास्थल पर पूजन के समय भक्तगणों ने भक्ति नृत्य से आनंद वर्षा की गई। कार्यकम के संयोजक विनय बाकलीवाल ने बताया कि विशेष रूप से आमंत्रित समाज श्रेष्ठियों का सम्मान प्रशस्ति पत्र देकर किया गया जिन्होंने मंदिर निर्माण और विस्तार में अपना आर्थिक सहयोग दिया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य व्यक्ति इंदर बाकलीवाल, प्रवीण गंगवाल, मुकेश बाकलीवाल, और पंकज गंगवाल ने शिरकत की।

जैन मुनि आचार्य श्री 108 भद्रबाहु सागर जी महामुनिराज का भव्य मंगल प्रवेश धर्मनगरी कोडरमा में हुआ

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के सबसे बड़े तपस्वी जिनकी चर्या तप और त्याग झलकता है ऐसे आचार्य श्री 108 विपुल सागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य आचार्य श्री 108 भद्रबाहु सागर जी महामुनिराज ओर पूज्य मुनि श्री 108 भाव सागर जी महाराज का का भव्य मंगल प्रवेश आज दिनांक 25.5 को प्रातः8 बजे झुमरी तिलैया कोडरमा धर्म नगरी में हुआ। गया नगरी से विहार करते हुवे गुनावा ,नवादा होते हुए लगभग 200 किलोमीटर की पद यात्रा करते हुवे यहां पहुँचे। जहाँ शहर के मुख्य द्वार पर शहर के समाज के सभी पदाधिकारी गण महीला समाज के पदाधिकारी गण गाजे-बाजे के साथ आगवानी की नगर भ्रमण करते हुए बड़ा जैन मंदिर जी पहुंचे जहां पर देवाधिदेव 1008 आदिनाथ भगवान की प्रतिमा पर मुनि श्री के मुखारबिंद से विश्व शांतिधारा कराया गया ।इसके बाद मंगलाचरण जैन सुबोध गंगवाल,जैन आशा गंगवाल ने किया ओर दिप प्रज्वलन गया जी समाज के पदाधिकारि गण ने किया ओर मुनि संघ को स्थानीय नगरी में प्रवास के लिए श्री फल चढ़ाया इसके बाद मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि यह गर्मी तपन तप रही है गर्मी की तपिश से ज्यादा जो शरीर में अंदर की तपन ओर त्याग को जीत लेता है वह अपने जीवन को जीत लेता है आगे कहा कि यह कोडरमा एक धर्म नगरी है जहां बहता योगी रमता पानी कहावत के अनुसार गुरुवर जैन संत का सम्मेदशिखर जी जाने के क्रम में यहां पर आगमन हो जाता है यह कोडरमा वाले का बहुत सौभाग्य है आगे समाज के पदाधिकारी गण ने गया जी समाज के सभी पदाधिकारि गण जो साथ चल रहे हैं उन सभी का स्वागत तिलक, माला दुप्पट्टा पहनाकर किया । कल आचार्य संघ के सानिध्य में 1008 श्री शांतिनाथ भगवान का निर्वाण कल्याणक महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

-कोडरमा मीडिया प्रभार राज कुमार अजमेरा,नविन जैन ने दी

5 दिवसीय समर हॉबी क्लास का प्राज्ञ भवन में समापन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। गर्मी की छुट्टियों मैं समर हॉबी क्लास प्राज्ञ भवन में लगाई गई ।उसका भव्य समापन समारोह शनिवार को प्राज्ञ भवन में संपन्न हुआ। अध्यक्ष मधु मेडतवाल ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों को रचनात्मकता और कौशल विकास से भरपूर बनाने वाली समर हॉबी क्लासेस द्वारा प्रतिभागियों ने अपने सीखे हुए हुनर का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मंत्री मधु लोढ़ा ने बताया कि इस समर क्लास में बच्चों और महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारा। रीना जी मेडतवाल द्वारा संचालित कुकिंग क्लास में प्रतिभागियों ने स्वादिष्ट व्यंजन कुकीज, केक, वफल्स, आईसक्रीम बनाना सीखा, जो सभी के लिए प्रेरणादायक रहा। रेखा अग्रवाल जी द्वारा गिफ्ट पैकिंग एवं क्रिएटिव रैपिंग का प्रशिक्षण दिया गया, जिसने रचनात्मकता को एक नया आयाम दिया। वहीं मीना पगारिया के ब्यूटी पार्लर कोर्स ने महिलाओं को सौंदर्य से जुड़े आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया। संरक्षिका बसंता डांगी ने समापन समारोह में सभी प्रशिक्षकों को उनके समर्पण एवं उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया गया। यह कार्यक्रम इस संदेश के साथ समाप्त हुआ कि गर्मी की छुट्टियां केवल विश्राम का नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाने का भी सुनहरा अवसर हैं संरक्षिका सुनीता पीपाड़ा ने बताया कि ।रचनात्मकता और कौशल विकास से भरपूर बनाने वाली समर हॉबी क्लासेस का भव्य समापन समारोह आज हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने सीखे हुए हुनर का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समर क्लासेस में 5 दिन के शीतल पेय में विशेष सहयोग सीमा सिसोदिया का रहा। कोषाध्यक्ष इंदिरा डांगी ने बताया कि इस क्लास के माध्यम से बहनों ने क्या सीखा उसका फीडबैक के रूप में सीमा डागी ,नव्या बाफना, आयुषी जैन प्रियांशी जैन आदि बहनों ने अपने विचार प्रस्तुत किये ।जिसकी अध्यक्ष पदम डागी ने भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों का आयोजन गर्मियों की व सर्दियों की छुट्टियों में अवश्य रखना चाहिए। ताकि अधिक से अधिक जैन परिवारों को सीखने का अवसर प्रदान हो। इस अवसर पर युवा मंडल मंत्री मनीष सेठी ,गौरव सुराणा, चंद्रा सुराणा , ,इंदिरा डांगी किरण सेठी, नीलू पानगढ़िया ,रेखा डांगी, संगीता पानगडिया,रजनी डोसी ,सुशीला दुग्गड़, शीतल डांगी, रजनी डोसी, विमला खमेसरा , सरिता चौधरी, नीलम नाहर, मधु चौधरी, अंजू भंडारी ,नीलम सेठी, सहीत कई बहने उपस्थित थी। कार्य अध्यक्ष मंजू पीपाड़ा ने सभी का आभार अभिव्यक्त किया।

श्री बाहुबली जैन वेलफेयर सोसाइटी की मासिक बैठक आयोजित हुई

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

श्री बाहुबली जैन वेलफेयर सोसाइटी की मासिक बैठक रिसॉर्ट में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सुरेंद्र छाबड़ा ने की। सोसाइटी के सचिव राजकुमार चौधरी ने बताया कि सदस्य राकेश पाटनी के जन्म दिवस पर इ गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित कर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राकेश पाटनी ने बताया कि श्री महावीर सेवा समिति न्यू हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर में पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि अनुपम सागर महाराज एवं मुनि निर्मोह सागर महाराज का पावन वर्षा योग 2025 का होगा। मुनि ससंघ का मंगल विहार उज्जैन से भीलवाड़ा के लिए होगा। इस पावन विहार में आप अपना समय देकर सहयोग प्रदान करते सातिशय पुण्य का लाभ ले। पूनम चंद सेठी एवं राजेंद्र सेठी ने आगामी कार्यक्रम के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। संचालन वीरेंद्र छाबड़ा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

मुनि श्री प्रज्ञान सागर,मुनि श्री प्रसिद्ध सागर महाराज का पावन वर्षायोग 2025 होगा नैनवा में

नैनवा (बूंदी). शाबाश इंडिया

हाड़ी रानी कवि सूर्यमल मिश्रण की पावन वसुंधरा छोटी काशी के नाम से सुविख्यात बूंदी जिले के अंतर्गत धर्म प्राण नगरी नैनवा में दो दिगंबर मुनि प्रज्ञान सागर मुनि प्रसिद्ध सागर महाराज वर्षा योग होना निश्चित हुआ। दिगंबर जैन समाज प्रवक्ता महावीर सरावगी ने राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार कोटा को जानकारी देते हुए बताया कि धर्म नगरी उज्जैन 24 मई शनिवार 2025 दिगंबर जैन नेमिनाथ जिनालय में आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज के आचार्य पदारोहण दिवस पर दिगंबर जैन समाज नैनवा के धर्मप्रेमी लोगों ने श्री फल भेटकर आचार्य श्री से वर्षा योग के लिए विनम्र प्रार्थना करने पर आचार्य श्री ने नैनवा के लिए मुनि प्रज्ञान सागर मुनि प्रसिद्ध सागर महाराज को वर्षा योग 2025 की लिए स्वीकृति प्रदान की । दिगंबर जैन समाज के प्रवक्ता महावीर सरावगी ने आचार्य श्री को शत-शत नमन कर बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया । उज्जैन शहर में तीसरी बार आने पर बीस पथ जैन समाज को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है दिगंबर जैन बीस पथ समाज के सानिध्य में वर्षा योग शांति वीर धर्म स्थल पर संपन्न होगा। पारस जैन ङ्पार्श्वमणिइ ने बताया कि इस अवसर पर नैनवा जैन समाज के बीस पंथ समाज के अध्यक्ष कमल मारवाड़ा विनोद मारवाड़ा शैलेंद्र मारवाड़ा महावीर सरावगी मोहन मारवाड़ा निर्मल पाटनी नीति कुमार कागला पारस मारवाड़ा गोलू सरावगी महेंद्र सेठी अशोक अध्यापक अपार भक्तों ने आचार्य श्री का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया ।

'ऑल थिंग्स स्टार्टअप' कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जीतो यूथ जयपुर द्वारा आई स्टार्ट राजस्थान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से आयोजित ''ऑल थिंग्स स्टार्टअप'' कार्यक्रम में स्टार्टअप और ब्रांड निर्माण पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरूआत विवेक चड्ढा ने की, जिन्होंने स्टार्टअप और पारंपरिक व्यवसाय के अंतर को समझाया। पैनल चर्चा का संचालन शॉपआईक्यू के रौनक चिंडालिया ने किया, जिसमें आनंद जैन (नथिंग बिफोर कॉफी), नितिन जैन (इंडीगिफ्ट्स), और रवि जैन (लक्सर इम्पेक्स) शामिल हुए। वक्ताओं ने प्रोफिटेबिलिटी और तकनीक को आवश्यक बताया। जीतो यूथ चेयरमैन अतिशय जैन ने इसे जीफ की मासिक पहल बताया, जिसमें कई प्रमुख उद्यमियों की सहभागिता रही।

नि:शुल्क परिंडे, दानाघर चिड़ियाघर वितरण एवं लगाने का अभियान

जयपुर. शाबाश इंडिया। गोपाल सेवा भाव ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा स्थानीय निवासियों के सहयोग से इंदिरा गांधी नगर के सेक्टर 1, ,3,4,9, कुंदनपुरा में गत एक माह दिनांक 28/04/25 से में नि:शुल्क परिंडे, दानाघर चिड़ियाघर वितरण, एवं लगाने का अभियान चलाया गया। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी डा अशोक दुबे ने बताया गौरैया की घटती हुई संख्या बहुत चिंता का विषय है, गौरैया की उपस्थिति स्वच्छ पर्यावरण को भी दर्शाती है। अभियान की शुरूआत डॉक्टर अखिल शुक्ला, अध्यक्ष हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान, डा सुरेंद्र शर्मा द्वारा की गई। डा अशोक दुबे ने बताया कि अभियान में संदीप शर्मा , कपिल पचौरी, पुरुषोत्तम बघेल, मनीष शर्मा, दीपक, पुनीत, सेक्टर 3mb से , देवकीनंदन शर्मा पारीक , संतोष भोलाराम महावर चुन्नीलाल शंभू बना कालूराम जी मीणा ,शौर्य प्रताप सिंह कुशल शर्मा। सेक्टर 4 से गुणीराम मीणा, धर्मेन्द्र सिंह, दुर्गेश मीणा, दिनेश शर्मा सेक्टर 9 से हंसराज मीणा, धनसिंह मीणा द्वारा सेवा कार्य में सहयोग किया गया।

वेद ज्ञान

सत्संग में नियमित सम्मिलित होना चाहिए

जीवन उत्सवमय तभी होता है, जब सभी को साथ लेकर चलें। एकाकीपन नीरसता लाता है। निष्ठुरता लाता है। संसार में विविधता है और इस विविधता में ही पार पाना है। समूह-भाव से ही जीवन-उत्सव बनता है। परिजन मिलकर रहें। सबको साथ लेकर चलना ही अभीष्ट है। पर्वों को तो विशेष उत्साह से मनाएं। सबके मंगल की कामना करें। पर्वों पर अड़ोस-पड़ोस और परिजनों का विशेष ध्यान रखें। कोई भूखा न रह जाए। केवल अपने लिए जीना या स्व उदरपूर्ति तक केंद्रित रहना अच्छी बात नहीं है। जीवन संस्कारमय तो तभी होगा, जब समग्रता के साथ गुणों का संवर्धन होगा। इसलिए आत्मचेतना का सामाजिक विस्तार निरंतर बना रहना चाहिए। जब ईश्वर ने हमें सेवा के योग्य बनाया है तो सेवा से संबंधित विविध कार्यों का विस्तार होना चाहिए। सेवा हमारे मन की पावन भावना है, जो हमें राग-द्वेष और भेदभाव से ऊपर उठाती है। सामूहिक भाव मन में प्रसन्नता लाता है। पर्व और मेले सामूहिक संस्कार को जगाते हैं, किंतु आज की भागमभाग जिंदगी में हम पर्वों का आनंद भी नहीं उठा पाते। सत्संग में नियमित सम्मिलित होना चाहिए। जीवन को दिशा देने के लिए, विषाद को दूर करने के लिए ये बहुत उपयोगी हैं। इनसे ईश्वरीय विचार पुष्ट होते हैं और मानव जीवन की महिमा पुष्ट होती है। इसलिए आवश्यकता यही है कि हम अपने सोचने का तरीका और दृष्टिकोण बदलें। आनंदमय जीवन की कल्पना तभी प्रत्यक्ष होगी, जब मन में सत्संकल्प और सद्विचार सुदृढ़ होंगे। आइए अपने आनंदमय स्वरूप का चिंतन करें, सर्वकल्याण की कामना करें और परमात्मा की प्रकृति का सदुपयोग करें। ईश्वर ने इतने उपहार दिए हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें। जब परमात्मा ने बिना किसी शुल्क के हमें इतने वरदान दिए हैं तो क्यों न हम भी प्राणिमात्र की सेवाओं को जीवन का अनिवार्य अंग बनाएं? पूर्ण आत्मविश्वास के साथ निडर होकर जीवन क्षेत्र में आगे बढ़ते रहें। हमारा जीवन अमरत्व की साधना है। मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ना ही जीवन का पर्व है। इस जीवन पर्व को उल्लास और आनंद के साथ पूर्णता दें। परमात्मा के मंगल विधान की पूर्णता में अपना संपूर्ण योगदान दें।

संपादकीय

मानवता की सबसे भयावह त्रासदी

हमास के हमले के बाद इजराइल की प्रतिक्रिया ने अब बेहद त्रासद रुख अख्तियार कर लिया है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अब तमाम मानवीय तकाजों को ताक पर रख दिया गया है और प्रभावित इलाकों में लोग भूख से मरने को मजबूर हैं। इस बात की कोई फिक्र नहीं दिखती कि अब एकतरफा हो चुके युद्ध में मरने वाले निर्दोष और मासूम बच्चे हैं। गाजा में इजराइल के हमलों में जो लोग मारे जा रहे हैं, वह एक पक्ष भर है। इसके समांतर त्रासद और भयावह यह है कि इजराइल ने गाजा के प्रभावित इलाकों में मानवीय मदद पहुंचाने के भी सारे रास्ते बंद कर दिए हैं। नतीजा यह है कि अब वहां लोगों और खासकर बच्चों के मारे जाने की बड़ी वजह भुखमरी बन गई है। गाजा के अस्पतालों में हजारों की तादाद में कुपोषण के शिकार ऐसे बच्चे जिंदगी और मौत से लड़ रहे हैं, जिन्हें जान बचाने के लिए पेट भरने लायक खाना भी नहीं मिल पा रहा है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने यह चेतावनी जारी की थी कि अगर जल्दी मदद नहीं मिली, तो सिर्फ दो दिनों के भीतर चौदह हजार बच्चों की जान जा सकती है। दरअसल, करीब दो महीने से इजराइल ने सभी खाद्य सहायता, दवा और अन्य सामान के गाजा के युद्ध प्रभावित इलाकों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, जहां करीब बीस लाख फिलिस्तीनियों

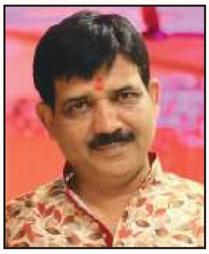

की आबादी रहती है। गाजा में रहने वाले ये लोग पूरी तरह बाहरी सहायता पर निर्भर हैं, क्योंकि इजराइली हमले ने उस इलाके की सभी खाद्य उत्पादन क्षमताओं को तबाह कर दिया है। जाहिर है, अब गाजा में अकाल का खतरा भी सामने खड़ा है। मगर अफसोसनाक यह है कि संयुक्त राष्ट्र से लेकर तमाम अंतरराष्ट्रीय प्रयास इजराइल को रोकने में नाकाम साबित हो रहे हैं। गाजा में इजराइली हमले में अब तक साठ हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे, जिनका हमास या आतंकवाद से कोई वास्ता नहीं था। सवाल है कि हमास के जिस हमले को मानवता के खिलाफ बता कर इजराइल ने युद्ध छेड़ दिया, उसमें मासूमों को मार कर क्या हासिल हो रहा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सत्ता का हथियार

प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज को लेकर कई वर्ष से अंगुलियां उठ रही हैं। विपक्षी दलों ने सर्वोच्च न्यायालय में धनशोधन निरोधक अधिनियम के तहत उसकी अतार्किक छापेमारियों पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी। विपक्ष लगातार कहता रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय सरकार के इशारों और बदले की भावना से कार्रवाई करता और लोगों को परेशान करने की नीयत से सीखचों के पीछे डाल देता है। मगर शुरू में अदालत ने ईडी की कार्रवाइयों में दखल देने या उन पर रोक लगाने से इसलिए इनकार कर दिया था कि ऐसे मामले भ्रष्टाचार के अलावा आतंकवादी संगठनों को लाभ पहुंचाने से भी जुड़े हो सकते हैं। मगर फिर देखा गया कि निदेशालय अनुचित तरीके से और अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करते हुए लोगों को गिरफ्तार और उन्हें बेवजह प्रताड़ित कर रहा है, तो अदालत ने उसे मर्यादा का पाठ पढ़ाया था। फिर भी ईडी के रुख में कोई बदलाव नहीं आया। तब अदालत ने पूछा कि आपके आरोप-पत्रों की तुलना में दोषसिद्धि इतनी कम क्यों है। फिर सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त लहजे में उसे निर्देश दिया कि बिना पुख्ता सबूतों के किसी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल नहीं किए जाने चाहिए। मगर उसका भी उस पर कोई असर नहीं हुआ। अब सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ी फटकार लगाते हुए कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय सारी हदें लांघ रहा है। यह संघीय ढांचे का उल्लंघन है। दरअसल, निदेशालय शराब की दुकानों को लाइसेंस जारी करने में अनियमितताओं के आरोप में तमिलनाडु राज्य विपणन निगम यानी टीएएसएमएसी के खिलाफ धनशोधन की जांच कर रहा था। इस पर टीएएसएमएसी ने सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई थी। अदालत ने उस जांच पर रोक लगा दी है। यह पहला मौका है, जब सर्वोच्च न्यायालय ने किसी जांच पर ही रोक लगा दी है। वह जांच के बाद आरोपपत्र पर बहस के दौरान निदेशालय की खामियों पर फटकार तो अनेक बार लगा चुका है, पर जांच पर रोक किसी भी जांच एजंसी के लिए बड़ी बात होनी चाहिए। हालांकि इससे भी उस पर कितना असर पड़ेगा, कहना मुश्किल है। दरअसल, जांच एजंसियां सरकार की इच्छाओं के अनुरूप कार्रवाई करती देखी जाने लगी हैं। वे एक तरह से सरकार के लिए अपने विपक्षियों पर शिकंजा कसने का औजार बन चुकी हैं। यह अकारण नहीं है कि ईडी के निदेशक को बार-बार सेवा विस्तार दिया जाता रहा और उस पर भी सर्वोच्च न्यायालय को पूछना पड़ा कि क्या आपको इस पद के लिए कोई और योग्य व्यक्ति नहीं मिल रहा। तथ्य यह है कि ईडी ने पिछले दस-ग्यारह वर्षों में चार हजार से अधिक मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए, मगर उनमें से दोषसिद्धि एक फीसद से भी कम हो पाई है। फिर, ज्यादातर मामले केवल विपक्षी दलों के नेताओं या उन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज हुए, जो सरकार के अनुकूल नहीं थे। कई ऐसे भी मामले हैं, जिनमें चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने के मकसद से ईडी की कार्रवाइयां की गईं। दिल्ली और झारखंड के मुख्यमंत्री इसके उदाहरण हैं। कई नेताओं को बिना पुख्ता सबूत के जेल भेज दिया गया और लंबे समय तक उनकी जमानत नहीं होने दी गई। इन प्रकरणों से ईडी, आयकर विभाग और सीबीआइ जैसी जांच एजंसियों की साख बुरी तरह प्रभावित हुई है।

फोर्टिस हॉस्पिटल में ऑर्थोपैडिक्स एवं जौइन्टस रिप्लेसमेंट सर्जरी कार्यशाला आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

फोर्टिस एस्कार्ट्स हॉस्पिटल जयपुर एवं टाईम, बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से रविवार को फोर्टिस हॉस्पिटल में ऑर्थोपैडिक्स एवं जौइन्टस रिप्लेसमेंट सर्जरी के वरिष्ठ डॉक्टर अरुण पारतानी तथा हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ अश्विनी कुमार शर्मा द्वारा बैंक के सदस्यों के लिए इन्टरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक बी मिश्रा व एन के सेठी ने बताया कि डॉक्टरो ने विभिन्न बीमारियों के सम्बंध में सदस्यों के प्रश्नों का न केवल समाधान किया बल्कि अनेक भ्रांतियों को भी दूर करने का प्रयास किया। टाइम बैंक ऑफ इंडिया समय समय पर अपने वरिष्ठ सदस्यों के लिए इस तरह के आयोजन कराती रहती है।

डिफेंस पब्लिक स्कूल के बच्चों ने 14 पदक अपने नाम किये

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। आज ऐलनाबाद खंड के गांव करीवाला जिला सिरसा में कराटे डीओ स्पोर्ट्स एसोसिएशन सिरसा द्वारा खंड स्तरीय कराटे ट्रायल का आयोजन करवाया गया। जिसमें खंड के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। जिसमें खंड के डिफेंस पब्लिक स्कूल ऐलनाबाद के बच्चों ने हिस्सेदारी दिखाते हुए कुल 14 पदक अपने नाम किए, जिनमें 5 स्वर्ण (काव्या, एंजेलीना, युवराज, करणीसिंह, दुष्यंत) , 4 रजत (नंदिता, पंकज, दिव्यांशु, कुनाल) 5 कांस्य (कीर्तजोत, कृतिका, मोहदीप, पारस बराड़, हुनर) पदक शामिल रहे। ओवरऑल परफॉर्मेंस में डिफेंस पब्लिक स्कूल ने दूसरा स्थान हासिल किया जिसके लिए स्कूल को चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । स्कूल से भाग लेने वाले सभी बच्चों ने पदक हासिल किए और जिलास्तर के लिए उत्तीर्ण किया। स्कूल निर्देशक ब्रिगेडियर बी एस जाखड़ ने सभी बच्चों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

सुशील कुमार 'नवीन' नागरिक पत्रकारिता सम्मान से हुए सम्मानित

हिसार. शाबाश इंडिया। वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार सुशील कुमार 'नवीन' को वर्ष 2024 के लिए नागरिक पत्रकारिता नारद सम्मान से सम्मानित किया गया है। फरीदाबाद की मानव रचना विश्वविद्यालय में आयोजित 10वें राज्य स्तरीय पत्रकार सम्मान और देवर्षि नारद जयंती समारोह में हरियाणा सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर विपुल गोयल ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। समारोह का आयोजन विश्व संवाद केंद्र हरियाणा द्वारा किया गया था। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट पत्रकारिता में अग्रणी रहने वाले हिसार निवासी सुशील कुमार ' नवीन' सहित प्रदेश के 8 पत्रकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र प्रचारक जतिन कुमार , वरिष्ठ पत्रकार अमीश देवगन, मानव रचना एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के निदेशक डॉ प्रशांत भल्ला, पीपी स्टील कारपोरेशन महिन्द्रा प्रोडेकटस, आई एम टी, फरीदाबाद के चेयरमैन प्रेम पसरीजा, स्काईमैप फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर संजय गुप्ता के अतिरिक्त विधायक सतीश फागना आदि उपस्थित रहे।

झारखंड प्रांत के खूंटी जिले में आयोजित शिक्षण शिविरों का हुआ समापन

संस्कार जीवन को सफल एवं सुरक्षित बनाते हैं : सुज्ञानमती माताजी

खुटी. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज के जन्म दिवस के पावन अवसर पर पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा के सराक क्षेत्र में आचार्य श्री ज्ञेय सागर जी, आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी, आर्यिका श्री आर्ष मति माताजी, आर्यिका श्री सुज्ञान मति माताजी के आशीर्वाद से ब्र. मंजुला दीदी, ब्र. मनीष भैया के निर्देशन में भारतवर्षीय सराक ट्रस्ट के तत्वावधान में झारखंड प्रांत के खुटी जिला में चल रहे शिक्षण शिविरों का समापन 24 मई को संपन्न हुआ। शिविर समापन में जूम चैनल के माध्यम से मुनि श्री नियोग सागर जी महाराज, आर्यिका श्री सुज्ञान मति का मंगल सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का मंगलाचरण अनुज जैन सराक ने किया चित्रावरण, दीपप्रज्वलन पं. राजकुमार शास्त्री कर्द ने किया। सामूहिक मंगरचारण विदुषी श्रीमती सपना जैन, साधिका जैन ने किया। सभी उपस्थित विद्वानों का सम्मान स्थानीय समाज के वरिष्ठजन द्वारा किया गया। शिविर स्थानों में कसमार, कोरला, डोडमा, खूटी स्थानों पर शिक्षण शिविरों द्वारा धर्म प्रभावना हुई। जिसके सामूहिक समापन समारोह में प्रथम, द्वितीय,द्वितीय स्थान प्राप्त शिवराथियों के लिए पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। जिन्होंने मेहंदी,सिलाई,पेंटिंग में अपना स्थान प्राप्त किया है, उनका भी सम्मान किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी एवं समापन के अवसर पर मिष्ठान वितरण किया गया। शिवराथियों ने अपने विचार व्यक्त किये। अंत में आर्यिका श्री सुज्ञानमती माताजी ने आशीष वचन में कहा कि सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज की प्रेरणा से आयोजित शिक्षण शिविरों द्वारा संस्कारों का बीजारोपण का कार्य हो रहा है,जो भविष्य में जाकर जैन संस्कृति की प्रभावना करेगा। शिक्षण शिविरों के द्वारा कम समय में ज्ञान प्राप्त करने के अवसर का हमें लाभ लेना चाहिए संस्कार जीवन को सफल एवं सुरक्षित बनाते हैं। मुनि श्री नियोग सागर जी महाराज ने आशीष वचन में कहां की अगर हमें ज्ञान प्राप्त करना है तो हमें कुछ सीखना और जानना होगा। इसके लिए कम समय में आयोजित होने वाले शिक्षण शिविरों में भाग लेकर समय का सदुपयोग कर जीवन में ज्ञानार्जन करें। शिविर मुख्य संयोजक मनीष विद्यार्थी ने अपने कहा की इस भीषण गर्मी के समय में विद्वानों द्वारा समय निकालकर सराक क्षेत्र आना, वहां शिविर लगाना और अपने अनुकूल परिस्थितियों का ना होकर शिविरों का संचालन करना बड़ा कठिन कार्य है फिर भी यहां आकर बच्चों को धार्मिक शिक्षा देकर जैन धर्म की प्रभावना करना बड़ा ही सराहनीय कार्य है। पश्चिम बंगाल, झारखंड,उड़ीसा प्रांत के बच्चों ने आयोजित शिक्षण शिविरों में शामिल होकर एक हजारसे ज्यादा बच्चों नाम मद्य त्याग, मांस त्याग का संकल्प लिया। जिसमें खूटी दिगंबर जैन समाज द्वारा विद्वानों की अवास एवं भोजन व्यवस्था की गई, समाज के अध्यक्ष श्री शिखरचंद जैन मैं कहां की मेरा सौभाग्य है की आचार्य ज्ञान सागर जी द्वारा आयोजित शिक्षण शिविरों में विद्वान हमारे क्षेत्र में पधारकर जैन धर्म की प्रभावना कर रहे हैं।और आगे भी करते रहेंगे। शिविर व्यवस्थाओं के लिए अनुज जैन सराक भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल झारखंड उड़ीसा के विभिन्न स्थानों पर धार्मिक शिक्षण शिविर एवं शाकाहार के लिए किया जा रहा कार्य से भारतीय संस्कृति को पुनः जीवन्त करने में सहभागिता रहेगी। **प्रेषक : मनीष जैन विद्यार्थी सागर**

पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा में आयोजित शिक्षण शिविरों में 1000 से ज्यादा बच्चों ने लिया भाग

भारत विकास परिषद उदय शाखा ने अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती मनाई

उदयपुर. शाबाश इंडिया। भारत विकास परिषद उदय शाखा द्वारा मासिक बैठक में अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती के साथ शिक्षा के क्षेत्र में शाखा सदस्यों के परिवार के बच्चों की विशेष उपलब्धि पर सम्मान समारोह का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। मीडिया प्रभारी सुनील गांग ने बताया कि शाखा अध्यक्ष शरद मंत्री ने अपने उदघोष में संयोजक बी.एल. खमेसरा संयोजक सेवा, चंद्रेश बापना संयोजक संपर्क, करण समोता संयोजक पर्यावरण, डॉ. सुभाष भार्गव संयोजक संस्कार एवं डॉ प्रभारानी गुप्ता - संयोजक महिला सहभागिता को अपनी-अपनी गतिविधि के कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिए सशक्त टीम गठित कर गति प्रदान करने का आग्रह किया एवं जानकारी प्रदान की। पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक मुक्त अभियान व पर्यावरण संबंधी विषय पर स्कूली बच्चों में प्रतियोगिता का आयोजन करने की जानकारी साझा की। अवार्ड सेरेमनी में सदस्य परिवार के होनहार बच्चे, नाते, नाती ,पोते, पोतियों की विशेष उपलब्धि पर मुख्य अतिथि डॉ. बी.एल.कुमावत द्वारा बच्चों को सम्मानित किया। भारत विकास परिषद् ' उदय' शाखा द्वारा महिला सहभागिता के अंतर्गत पुन्यश्लोका अहिल्या बाई होल्कर पर मुख्य वक्ता डॉ. नीलम कौशिक पूर्व प्रोफेसर हिस्ट्री विभाग द्वारा उनके जीवन के विविध पहलुओं- शासकीय, आर्थिक, राजनेतिक आदि से समन्वित एक प्रेरणास्पद, एवम ज्ञानवर्धक वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 90 सदस्यों की उपस्थिति रही। डॉ.संतोष गोधा सहित 40 महिलाओं की सहभागिता एवं उत्साह वर्धन रहा। प्रो. डॉ. नीलम कौशिक ने अहिल्याबाई होलकर की 300वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में उनके प्रेरणादायक जीवन के सफर को सभा के सामने रखा और बताया कि अहिल्या बाई होल्कर किस तरह संघर्ष करके भारतवर्ष को ऊंचे शिखर पर पहुंचाया। अहिल्या बाई होल्कर के द्वारा करीब 118 मंदिरों की स्थापना की गई। अयोध्या , काशी ,पुष्कर बद्रीनाथ अमरकंटक द्वारका इत्यादि मंदिर इसमें शामिल है। भारत विकास परिषद के जिला समन्वयक सन्तोष जैन द्वारा पूर्व कार्यकाल में जिन सदस्यों द्वारा विशेष सेवा सहयोग दिया उन्हें मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष ने बताया कि हमारे प्रधानमंत्री द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर द्वारा पूरे विश्व को यह बता दिया कि भारत आर्थिक व सैन्य दोनों तरफ से एक मजबूत देश है और कहा कि हम सभी को हमारे प्रधानमंत्री पर गर्व है ।उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा रचित कविता सुना कर सबके दिल में देश भक्ति का जज्बा भर दिया। शाखा सचिव डॉ. भूपेंद्र व्यास ने धन्यवाद की रस्म अदा की एवं राष्ट्रगान के साथ सभा समाप्त हुई।

रश-ट्रेजर हंट इवेंट का चौथा सीजन सफलतापूर्वक संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

बीएनआई एलिट और स्वास्तिक चैप्टर द्वारा आयोजित रश - ट्रेजर हंट इवेंट के चौथे सीजन में 60 सदस्यों ने भाग लिया। यह आयोजन सी स्कीम से शुरू होकर अटलांटिस बैनक्वेट, सीतापुरा में संपन्न हुआ। **भारतीय सेना के सम्मान में आयोजित हुआ इवेंट:** इस इवेंट का उद्देश्य ''पीस फॉर नेशन'' और भारतीय सेना को सलाम करना था। आयोजकों ने इस इवेंट से जुटाई गई राशि को भारतीय सेना को दान करने में रुचि दिखाई है। **सफल आयोजन:** पूरे आयोजन को व्यवस्थित रूप से आयोजित किया गया था और सभी सदस्यों ने खेल भावना का प्रदर्शन किया। यह आयोजन न केवल सदस्यों के बीच टीम वर्क और खेल भावना को बढ़ावा देने में सफल रहा, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति भी जागरूकता फैलाई।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की नव गठित कार्यकारिणी सभा की मीटिंग संपन्न

वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की हुई घोषणा

जयपुर. शाबाश इंडिया

बड़जात्या सभागार भट्टारक जी की नसियां में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राजस्थान रीजन जयपुर की नवगठित कार्यकारिणी सभा का आयोजन 24 मई 2025 को किया गया। सभा का आरंभ भक्तामर स्त्रोत के 26वें श्लोक के वाचन से हुआ। रीजन अध्यक्ष सुनील बज की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा का संचालन रीजन महासचिव नीरज जैन ने किया। सभा में राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पांड्या, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष यश कमल अजमेरा, निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला और निवर्तमान रीजन अध्यक्ष राजेश सीमा बड़जात्या उपस्थित रहे। अध्यक्ष सुनील बज ने जून 2025 से मार्च 2026 तक होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। इनमें पर्यावरण दिवस, योग दिवस, बॉक्स क्रिकेट, श्री वर्धमान स्त्रोत मासिक पाठ, सेवा पखवाड़ा, ऑनलाइन धार्मिक तंबोला, डांडिया, रक्तदान शिविर, इनडोर गेम्स और पतंगोत्सव शामिल हैं। साथ ही गणतंत्र दिवस कार्यक्रम, सामूहिक पूजन, महिला दिवस, निःशुल्क चिकित्सा शिविर और सीनियर सिटीजन मूवी कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष राष्ट्रीय और रीजनल पुरस्कारों के लिए ग्रुपों के लिए वार्षिक परफॉर्मेंस अप्रेजल प्रणाली शुरू की गई है। इसमें ग्रुपों की सहभागिता के आधार पर अंकों का मूल्यांकन किया जाएगा। इस आधार पर राष्ट्रीय एवं रीजन पुरस्कार हेतु ग्रुपों का चयन किया जायेगा । कार्यक्रम में निवर्तमान रीजन अध्यक्ष राजेश सीमा बड़जात्या को उनके उल्लेखनीय कार्यकाल के लिए साफा, माला, दुपट्टा और शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया, साथ ही उपस्थित रीजन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का भी स्वागत, सम्मान किया गया । रीजन की प्रथम महिला श्रीमती सुमन बज, श्रीमती सीमा बड़जात्या, रीजन वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मृदुला पांड्या एवं रीजन कोषाध्यक्ष प्रमोद सोनल जैन ने उपस्थित जनों का स्वागत, सम्मान किया। सभा में दिवंगत राष्ट्रीय परामर्शक एवं राजस्थान जयपुर रीजन के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री नवीन सेन जैन को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रीजन कार्याध्यक्ष पदम चंद भाँवसा के आभार प्रदर्शन के बाद शांतिपाठ के साथ सभा का समापन हुआ।

लाल कोठी जैन मंदिर में धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का समापन हुआ

निकली जैन ध्वज व नारों के साथ रेली

जयपुर. शाबाश इंडिया। शांति नाथ दिगम्बर जैन मंदिर ऐवरेस्ट कोलोनी लाल कोठी जयपुर में 10 दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर की मुख्य संयोजिका मंजुलता छाबड़ा ने बताया कि शिविर में 60 से भी ज्यादा बड़े एवं बच्चों ने भाग लिया। संयोजक खुशबू कासलीवाल व मीनल बाकीवाला ने बताया कि समाज के बंधुओ के साथ बालक बालिकाओं ने धार्मिक नारों व भजनों के साथ कॉलोनी की गलियों में रैली निकालते हुए जैन धर्म की प्रभावना की। अंत में सीए अनिल जैन के सौजन्य से सभी के लिए इक्षु रस की व्यवस्था की गई।

हर हाथ से लगे एक परिंडा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जे एस जी जनक के तत्वाधान मे सिटी पार्क मानसरोवर मे परिंडा वितरण कार्यक्रम आयोजन किया गया।अध्यक्ष कमलेश जैन बासखो ने बताया की हर हाथ से एक परिंडा पार्क ,घर या मंदिर मे लगे इस उद्देश्य से आज सिटी पार्क मानसरोवर मे परिंडे लगाये गए। सचिव अक्षय लुहाड़िया द्वारा सब को परिंडे वितरित भी किये गए।इस अवसर पर विकास लोढ़ा, रोहित पाटनी, एडवोकेट धर्मेंद्र जैन, गजेंद्र पाटनी, धर्म जैन, छाया, शिल्पी व ग्रुप के अन्य सदस्यो ने भी परिंड़े बांधे। पार्क के बाहर पक्षियों को चुग्गा भी डाला गया। अक्षय लुहाड़िया ने कहा सेवा ही परम धर्म है सभी को बेजुबानो की सेवा जरूर करनी चाहिए।

अन्तर्मना अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी की महाराज के प्रवचन से...

हस्तिनापुर. शाबाश इंडिया

अन्तर्मना अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी की उत्तराखण्ड के बद्रिनाथ से हरिद्वार तरुणसागरम अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है आज हरिद्वार से दिल्ली हायवे पर उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि अपनी आदतों के अनुसार चलने में, इतनी गलतियां नहीं होती..जितनी दुनिया का ख्याल और लिहाज रखकर चलने में होती है..! इसलिए स्वयं को सुधारने का मार्ग है सन्यास दीक्षा या सन्यास सिर्फ वेश परिवर्तन का नाम नहीं है। बल्कि यह तो भाव परिवर्तन का पुरूषार्थ, आत्म ज्योति के दीप के दीपित होने का पावन पुनीत अवसर, पशुता के भावों के क्षपण का उपक्रम, परिणामों का परिवर्तन और दीक्षित परिणामों का सदैव सुमिरन का सर्वोत्तम प्रसंग है। दीक्षार्थी या सन्यासी हर पल आत्मालोचना का अन्तःकरण से उद्भूत अभ्यास यह चिन्तन करता है कि यदि किन्चित भी विकृति हो जाये मन में, तो उसी क्षण ही हो जाये, विकृत भाव का परिमार्जन / संशोधन के साथ पुरूषार्थ की कलिकाल की यह साधना मुक्ति प्रदायक होगी, भव भव का यह पुरूषार्थ कभी व्यर्थ नहीं जायेगा। जन्म-मृत्यु के चक्र जाल से मुक्त होगी और विहार करेगी स्वतन्त्रता के उन्मुक्त गगन में।दीक्षार्थी साधक की सम्यक्त्व को समर्पित सच्ची भावना का उपादान और दीक्षा प्रदायक गुरू का अनुग्रह दोनों का जब युग्म होता है, तब दीक्षा सम्पन्न होती है। शिष्य की सुषुप्त शक्ति को जगाने का निमित्त सृजित होता है। दीक्षा के समय दीक्षार्थी को उतना पता नहीं चलता कि इस रूपांतरण से क्या मिला है- ? परन्तु जब दीक्षार्थी रत्नत्रय की साधना में रमता है, वीतराग की भक्ति के भजन से, मन आँगन को सींचता है, अपने सच्चे श्रद्धान को आत्म-स्वरूप के चिन्तन-मनन में समर्पित करता है,, तब दीक्षा पनपती है, समृद्ध होती है और प्रस्थान करती है देह से विदेह की साधना पथ पर। सिर मुण्डन, कैशलोंच के साथ, मन का मुण्डन भी होता है। इन्द्रियों को वश में किया जाता है एवं वस्त्र त्याग के साथ साथ, विकारों को पूर्ण रूपेण हटाया जाता है।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

सकल जैन समाज से अपील

जैन को जैन धर्म में गिनाओ अभियान

निवेदक : संजय जैन बड़जात्या

टाइटल देखकर चौंकिये मत केवल यह विचार कीजिए कि टाइटल क्यों दिया गया है? अचानक से 2011 की जनगणना में जैन धर्मावलंबियों की संख्या मात्र 0.4% पर आ गई। इस सब का कारण यही रहा कि हमने धर्म के कॉलम में जैन धर्म न लिखकर अन्य धर्म का प्रयोग कर दिया। वास्तविक रूप से इस टाइटल के अनुरूप कार्य योजना बनाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। जैन समाज की सभी राष्ट्रीय, प्रांतीय व स्थानीय संस्थाओं को संयुक्त रूप से मिलकर इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। एक बार फिर जनगणना का बिगुल बज चुका है। आगामी वर्ष में जनगणना होना तय है। जनगणना के आधार पर ही यह पता चलेगा कि भारतवर्ष में कितने जैन धर्म के अनुयायी है। इस सबके लिए हमें सावचेत होना चाहिए, यदि हम जैन है तो हमें धर्म के कॉलम में जैन आवश्यक रूप से लिखाना चाहिए अब बात करते हैं लेख में दिए गए टाइटल की तो हां जैन को जैन धर्म मे गिनाओ अभियान चलाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। मंदिर-मंदिर और समाज-समाज,संस्था-संस्था,श्रावक-श्राविका तक इस अभियान को तीव्र गति के साथ चलाना वर्तमान परिस्थितियों में अति जरूरी है। तभी हम अपनी सही संख्या का पता लगा पाएंगे।हमारी संख्या के बारे में भ्रांतियां यह है कि हम हैं तो ज्यादा किंतु जनगणना में हमारी संख्या कम नजर आती है। दिगम्बर, स्वेताम्बर, स्थानक वासी, मन्दिर मार्गी, तेरापंथी, बीस पंथी, हुमड़, जैसवाल, ओसवाल, खंडेलवाल, अग्रवाल व अन्य गच्छो में विभाजित जैन समाज के सभी घटकों को इस अभियान से जोड़ने की आवश्यकता है। नही तो स्थिति और भी कष्ट प्रद हो सकती है। समय रहते हुए कार्य योजना बनाकर कार्य करने की नितांत आवश्यकता है। सादर जय जिनेंद्र।

संजय जैन बड़जात्या, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री,धर्म जागृति संस्थान

राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संघ (रूवा) के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में एकदिवसीय लैंगिक संवेदनशीलता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुस्लिम बालिका महाविद्यालय, एम. डी. रोड, जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संघ (रूवा) के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में एकदिवसीय लैंगिक संवेदनशीलता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन। रूवा और महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में सफलतापूर्वक किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. जहांआरा द्वारा रूवा की आमंत्रित प्रतिनिधियों का सम्मान करते हुए किया गया। इस अवसर पर रूवा की अध्यक्ष डॉ. शशिलता पुरी, उपाध्यक्ष डॉ. बीना अग्रवाल एवं संयुक्त सचिव डॉ. प्रिया ने लिंग भूमिकाएं, लैंगिक पूर्वाग्रह तथा लैंगिक संवेदनशीलता जैसे समसामयिक विषयों पर सारगर्भित और विचारोत्तेजक व्याख्यान प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के साथ संवादात्मक सत्र में सहभागिता करते हुए महिला हेल्पलाइन, कानूनी सहायता व्यवस्था और लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने वाले उपायों की जानकारी साझा की। डॉ. शशिलता पुरी ने अपने उद्बोधन में रूवा द्वारा संचालित जेंडर जागरूकता अभियानों तथा महिला सलाह एवं सुरक्षा केंद्रों की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यशाला के दौरान शॉर्ट फिल्म और समूह चचाओं के माध्यम से पितृसत्तात्मक मानसिकता, सामाजिक पूर्वाग्रह और लैंगिक भेदभाव के प्रभावों पर गंभीर विमर्श किया गया। इस संवादात्मक प्रक्रिया ने प्रतिभागियों को आत्ममंथन के लिए प्रेरित किया और एक संवेदनशील, समावेशी एवं समानतामूलक शैक्षणिक वातावरण के निर्माण हेतु उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय की व्याख्याता डॉ. यासमीन अख्तर ने भी छात्राओं को प्रेरणादायक विचारों से संबोधित किया। यह कार्यशाला छात्राओं को न केवल व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करने में सफल रही, बल्कि उन्हें लैंगिक समानता के प्रति सजग, उत्तरदायी और सशक्त नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई।

महावीर स्कूल ने 12वीं बोर्ड में लहराया परचम

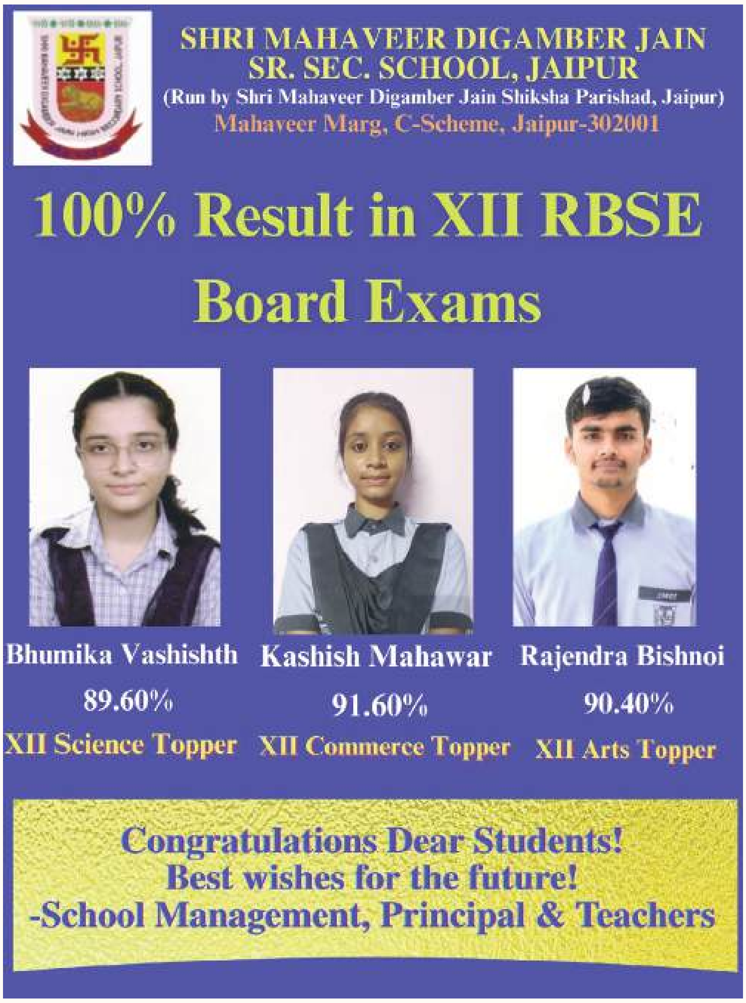

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में श्री महावीर दिगंबर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत 100% परिणाम प्राप्त किया एवं सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विज्ञान संकाय में भूमिका वशिष्ठ ने 89.60% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं वाणिज्य संकाय में कशिश महावर ने 91.60% और राजेंद्र विश्नोई ने 90.40% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला एवं विद्यालय आचार्या श्रीमती रेनू गोस्वामी ने 12वीं में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभाशीष भी प्रदान किया।

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर श्योपुर में भक्तामर अनुष्ठान संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। 25 मई रविवार को श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर श्योपुर में श्री चंद्रप्रभु महिला मंडल के द्वारा भक्तामर अनुष्ठान 48 दीपकों के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रथम दीप प्रज्वलित कर श्रीमती आशा रानी जैन पाटनी ने किया एवं कार्यक्रम में विशेष सहयोग चांदमल मनोज कुमार अंकित कुमार बाकलीवाल परिवार वालों ने किया। कार्यक्रम संयोजक श्रीमती सुशीला बिंदायका श्रीमती रीता भारती जैन श्रीमती सीमा जैन केकड़ी एवं संपूर्ण महिला मंडल कार्यकारिणी ने बहुत ही सुंदर तरीके से इस कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रबंध कार्यकारिणी एवं नवयुवक मंडल ने सहयोग प्रदान किया. प्रबंध कार्यकारिणी के अध्यक्ष दिलीप पाटनी सांस्कृतिक मंत्री अजय साह, नवयुवक मंडल कोषाध्यक्ष विवेक जैन एवं समाज के सभी लोगों ने बहुत उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर: बच्चे लिख रहे मोरल के साथ शिक्षाप्रद कहानियां

शिविरार्थियों द्वारा सात तत्वों का किया गया सुंदर चित्रण

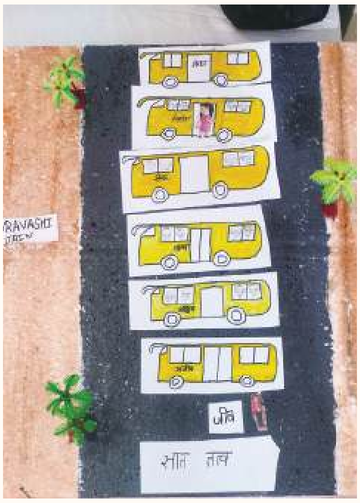

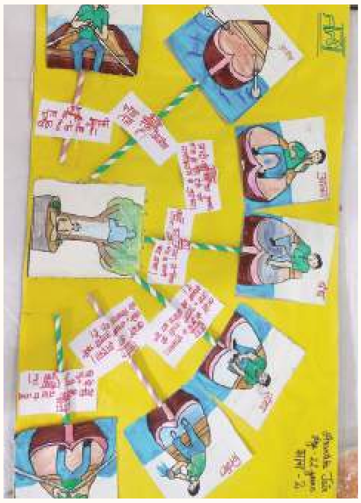

27 मई को होगा सभी का एक साथ एगजाम

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर एवं महिला महासमिति के तत्वाविजय न लगाए जा रहे शिविरों के निरीक्षण व प्राप्त रिपोर्ट अनुसार पाया कि विदुषियों द्वारा धार्मिक संस्कारों के साथ बच्चों के चहुमुखी विकास हेतु पाठ्यक्रम के साथ साथ पाठ्येतर गतिविधियां भी करायी जा रही है ।यह शिविर श्रमण संस्कार शिविरों की प्रणेता व बालिका छात्रावास की अधिष्ठात्री श्राविका शीला ड्योडा के पिछले तीन दशक के अथक प्रयासों का परिणाम है। वर्तमान में ये भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र में शिविर व्यवस्थाओं को देख रही है। कई स्थान पर अरहम योग कराया गया, कुछ स्थान पर विद्यार्थियों को अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय व साधु ग्रुप अनुसार बैठाकर अन्ताक्षरी के पाँच अलग अलग राउंड कराये गये। इधर बच्चों को गुल्लक का वितरण कर दान का महत्व समझाया गया, सेल्फ डिफेंस की व डांस की क्लासेज लगायी। बच्चों को छोटे छोटे नियम दिलाकर त्याग भाव समझाया। शांति नाथ दिगम्बर जैन मंदिर ऐवरेस्ट कोलोनी लाल कोठी जयपुर में बच्चों को दर्शन विधी सिखाई पश्चात अहिंसक पानी का छन्ना सभी को दिया गया और पानी छानने की विधि भी सिखाई गई। जुलूस निकाला गया पाठशाला के बच्चों ने नारे लगाए व भजन और नृत्य के साथ साथ भक्ति करते हुऐ सभी ने जैन धर्म की प्रभावना करी। श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर मालवीय नगर 10 सेक्टर में धार्मिक शिविर में भाग लेने वाले सभी बच्चों को सात तत्व के बारे में बताया और उनको घर से प्रोजेक्ट बनाकर लाने को बोला गया और प्रतियोगिता रखी गई तो बच्चों के बने हुए प्रोजेक्ट, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर SFS राजावत फार्म मानसरोवर बच्चो को धर्म के साथ डांस भी करवाया गया ।वरुण पथ मंदिर में रविवार को विदुषियों के द्वाराअर्ह ध्यान योग बहुत ही शानदार कराया गया तथा पंच परमेष्ठी की मुद्रा में योगासन कराया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर , सेठी कॉलोनी मे प्रभावना में तुलसीजी के पोधे दिये गये ।तथा पोधों की देखरेख करना बताया। 10b स्कीम जैन मंदिर में बच्चे आज फैंसी ड्रेस में चंदन वाला, मरु देवी , अष्ट द्रव्य की थाली एवं जैन धर्म को पंथवाद में न बांटने का संदेश देते हुए बहुत ही सुंदर तरीके से तैयार होकर आए थे। श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी मे छहडाला मे धार्मिक खेल के माध्यम से सरल तरिके से दीदी ने बच्चों को समझाया तथा योगा क्लास मे स्वस्थ व फिट रहने के लिए योगासन बताये। करधनी मंदिर जी में याशी जैन द्वारा छहढाला के मंगलाचरण का अर्थ सहित वर्णन बताया जनता कॉलोनी जैन मंदिर धार्मिक शिविर में बच्चों को, पुरस्कार स्वरूप गुल्लक व रंग दिए गए, जिसमें वह रंगों से सजावट करें, वह गुल्लक में पैसे जमा करें, और उसको दानस्वरूप, किसी भी धार्मिक आयोजन ,कुष्ठ आश्रम, परिंडे लगाने, गरीब बच्चों को पेन पेंसिल व किताबें, खरीदने में योगदान करेंगे ऐसी सभी बच्चों ने प्रतिज्ञा ली। पदमावती कॉलोनी स्थित श्री विद्या सुधा जैन संस्कार पाठशाला के बच्चों ने प्राकृत भाषा में रचित चौबीस तीर्थंकर स्तुति एवम जिनवाणी स्तुति को याद किया आठ वर्षीय अद्विक सेठी ने बृहद शांतिधारा का वाचन किया तथा अन्य बालको ने अभिषेक की महिमा को जाना और अभिषेक किया किया। जनकपुरी ज्योतिनगर मंदिर जी में विद्यार्थियों को प्रभावना में कोई भी जंक , पैक्ड, बिस्किट, अभक्ष आहार युक्त वस्तु नहीं दी गयी तथा बच्चों ने जंक फूड का त्याग किया ।दर्शन पाठ याद करया व अभिषेक पूजन करना सिखाया गया । साथ ही समापन समारोह के लिए लघु नाटिका की तैयारियाँ भी करायी जा रही है ।महिला समिति की अंचल अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल ने जनकपुरी में शिविर में बच्चों को कुछ समय का मोबाइल त्याग का नियम दिलाया तथा इसके उपयोग से हाथो में कंपन आँखो की रोशनी में परेशानी व यादास्त में कमी आना बताया ।यदि पूरे दिन का मोबाइल उपयोग त्याग नहीं सकते तो कम से कम चार घंटे प्रति दिन अवश्य त्याग करना चाहिए ।तथा बताया की रात के अंधेरे में मोबाइल का बिल्कुल भी उपयोग नहीं करना चाहिए ।

धाबास में नवीन वेदी पर विराजित हुए श्रीजी

शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का भव्य शिलान्यास, आचार्य सुनील सागर महाराज का मिला आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

अजमेर रोड स्थित धाबास में रविवार 25 मई को नवीन भूमि पर शांतिनाथ भगवान अतीव श्रद्धाभक्ति के साथ नवीन वेदी पर विराजित हुए। प्रबंध समिति अध्यक्ष सुरेंद्र बैद ने बताया कि पं. महावीर जैन गींगला के निर्देशन में नवीन भूमि पर भव्य जिन मंदिर निर्माण कार्य प्रारंभ होने के साथ ही पुराने चैत्यालय से श्री जी को जुलूस के साथ लाकर नवीन भूमि में वेदी पर विराजित किया गया। परम संरक्षक गजेन्द्र-प्रवीण बड़जात्या कामां वालों ने अवगत कराया कि आचार्य 108 श्री सुनील सागर महाराज का खुला आशीर्वाद भव्य जिनालय के लिए मिला है। संरक्षक एवं निर्माण समिति संयोजक जयकुमार जैन-बड़जात्या सीकर वाले ने अवगत कराया कि रविवार को भूमि पूजन के साथ भव्य जिनालय का निर्माण कार्य विधि-विधान के साथ प्रारंभ हुआ। जिनालय के लिए प्रथम ईंट लगाने का सौभाग्य कार्यक्रम के शिल्पी गजेन्द्र-प्रवीण बड़जात्या, कामां परिवार को प्राप्त हुआ तथा ध्वजारोहण ज्ञानेन्द्र -पूनम चांदवाड़ ने किया। श्रेष्ठी शांतिलाल-ममता सौगाणी, हेमेंद्र-निखिल लुहाड़िया, ज्ञानेन्द्र -पूनम चांदवाड़, ज्ञानचंद-अनीता जैन, सांवर परिवार तथा हरीश जैन, वैशाली नगर, सौरभ-मोहित बड़जात्या, नेमीसगर, विजय सेठी, डीसीएम आदि प्रमुख शिलान्यासकर्ता रहे। उपाध्यक्ष प्रमोद काला एवं सह मंत्री मितेश ठोलिया के अनुसार नवीन भूमि पर श्रीजी के विराजित होते ही अभिषेक एवं शांति धारा के उपरांत वास्तु वलय विधान-पूजन का आयोजन हुआ।नवीन भूमि का उद्घाटन मनोज-सीमा बड़जात्या के कर-कमलों से हुआ। मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष हेमेंद्र लुहाड़िया करौली वाले ने बताया कि आचार्य आदिसागर अंकलीकर परम्परा के चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य 108 सुनील सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से वेदी शुद्धि एवं वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव में धावास सहित वैशाली नगर, झोटवाड़ा, नेमीसागर कालोनी, डीसीएम, निर्माण नगर, मानसरोवर, कमला नेहरू नगर, चित्रकूट आदि के जैन धर्मावलंबी श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हर्ष के साथ शिरकत की। मंदिर प्रबंध कमेटी ने उपस्थित सभी दिगम्बर जैन धमार्नुरागी बंधुओ का स्वागत एवं अभिनंदन किया।